शिव महिमा

परम सत्य है परम विज्ञान
ज्योति स्वरूप शिव भगवान ।
परमानन्द है सर्वशक्तिवान
शिव है परम, शिव है महान ।
शिव है परमशुद्ध उच्चारण
शिव है सर्व सुख सिद्धि कारण ।
अमृत वाणी है शिव का नाम
शिव पहुंचाए मंगल धाम ।
अमृत रूप है शिव गुणगान
अमृत कथन है शिव व्याख्यान ।
अमृत वचन है शिव की चर्चा
मधुर गीत है शिव की चर्चा ।
अमृत मनन है शिव का नाम
शिव में समाया सब समाधान ।
श्रेष्ठ कर्म है शिव का ध्यान
शिव की श्रीमत परम विज्ञान ।
जो कोई शिव का ध्यान लगावे
सत्युग परम पद वो ही पावे ।
शिव में समाया सबका सार
शिव देता है आनन्द अपार ।
शिव के गुणों का करो विचार
जीवन में आए मंगलाचार ।
शिव की महिमा मन से गाना
मानो मधुर मनोरथ पाना ।
शिव का ध्यान जो मन में लावे
उसमें सब सिद्धियां बस जावे ।
जहां हो शिव की धुन का नाद
भागे वहां से सब विषम विषाद ।
शिव ही मन का ताप बुझावे
सुधा रस सींच शान्ति ले आवे ।
याद जिसमें शिव की जागे
उसके पाप ताप सब भागे ।
मन से जो शिव महिमा उच्चारे
उसके भागे भ्रम भय सारे ।
जिसमें बस जाए शिव का नाम
होवे उसके सब पूरन काम ।
शिव की महिमा जो सिमरता जाए

भव सागर से वो तर जाए ।
मन में शिव की ज्योति जब जागे
संकट सभी सहज ही भागे ।
बाधा बड़ी विषम जब आवे
वैर विरोध विघ्न बढ़ जावे ।
शिव की याद है सुखकर दाता
सच्चा साथी हितकर त्राता ।
मन जब धैर्य को नहीं पावे
कुचिन्ता चित्त को चूर बनावे ।
शिव का ध्यान है चिन्ता चूरक
शिव की याद है सर्व सुख पूरक ।
शोक सागर हो उमड़ा आए
अति दुःख में जब मन घबराए ।
शिव की याद रहे बारम्बार
शिव करता सबका बेड़ा पार ।
शिव की याद है सदा सहायक
शिव का ध्यान है सर्व सुखदायक ।
शिव है तीनों लोक का नाथ
शिव को समझो अपने साथ ।
शिव की याद है परम साधना
श्रीमत पालन ही सच्ची आराधना ।
शिव की याद है परम अभ्यास
इसमें समाया सर्व सुख रास ।
शिव की याद है सरल समाधि
शिव की याद हरे दुख और व्याधि ।
शिव है बीज महा शक्ति कोष
शिव की याद लाए सुख सन्तोष ।
शिव मिटाए कष्ट और दुविधा सारी
शिव खिलाए सुख शान्ति फुलवारी ।
बसे जो शिव की याद भरपूर
हो जाए भ्रम और भय से दूर ।
शिव है कल्प वृक्ष का मूल
उसको प्राणी कभी ना भूल ।
श्वासों श्वास कर शिव का ध्यान
देव पद दिलाए शिव का ज्ञान ।
शिव की याद हो जब युक्ति युक्त
कर दे वो सर्व बन्धन मुक्त ।

ओम शान्ति